Dainik Bhaskar (Indore), 06th September 2025, Page- 06

उपलब्धि • डेढ़ दशक में देश के शीर्ष संस्थानों की सूची में शामिल हो चुका है, पिछले साल 16वीं रैंक पर था

एनआईआरएफ रैंकिंग में लगातार प्रदेश में टॉप पर आईआईटी-आई, रिसर्च और इनोवेशन ने बनाई पहचान

भास्कर संवाददाता | इंदौर

एनआईआरएफ रैंकिंग में आईआईटी इंदौर लगातार टॉप-10 में अपनी जगह बनाए हुए है। 2009 में स्थापित यह संस्थान महज डेढ़ दशक में ही देश के शीर्ष तकनीकी संस्थानों की सूची में एक मिसाल कायम कर चुका है। यही कारण है कि इंजीनियरिंग संस्थानों की कैटेगरी के साथ ओवरऑल कैटेगरी और रिसर्च कैटेगरी में भी आईआईटी का नाम लगातार प्रमुखता से शामिल हो रहा है।

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क की हालिया रैंकिंग में आईआईटी (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) प्रदेश में पहले पायदान पर रहा। पिछले साल 16वीं रैंक पर रहे आईआईटी ने इस बार 12वां स्थान बनाया। जबकि ओवरऑल रैंकिंग में संस्थान 27वें स्थान पर रहा है। आईआईटी इंदौर ने बीते वर्षों में 500 से अधिक रिसर्च पेपर्स अंतरराष्ट्रीय

जर्नल्स में प्रकाशित किए। संस्थान लगातार पेटेंट फाइल कर रहा है, जिससे उसका इनोवेशन इंडेक्स ऊंचा हुआ है। प्रोफेसर्स और रिसर्च स्कॉलर्स कई विदेशी यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर रिसर्च कर रहे हैं। अमेरिका, जापान, जर्मनी और यूके की यूनिवर्सिटीज के साथ संस्थान के एमओयू हैं। कैंपस में हाइटेक लैबोरटरी, सुपरकम्प्यूटिंग सुविधाएं और एआई-रोबोटिक्स हब की सुविधा है। यह छात्रों को प्रैक्टिकल लर्निंग और रिसर्च के लिए मजबूत आधार देते हैं। आईआईटी के सीनियर प्रोफेसर के अनुसार, अपने समकक्ष आईआईटी की तुलना में इंदौर आईआईटी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत पहचान बनाई है। सबसे ज्यादा काम रिसर्च के क्षेत्र में हो रहा है।

कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट से 10 करोड़ और स्पॉन्सर्ड प्रोजेक्ट से 50 करोड़ की आय

संस्थान की रिसर्च-ड्रिवन पॉलिसी और इंडस्ट्री-एकेडमिक कोलेबोरेशन का सीधा असर भी रैंकिंग पर नजर आया। 2023-24 में 71 कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट के जरिये आईआईटी को 10 करोड़ 8 लाख रुपए से ज्यादा की आय हुई। इससे पहले 2022-23 में 78 प्रोजेक्ट से 4 करोड़ 94 लाख रुपए मिले थे। 23-24 में आईआईटी ने 64 स्पॉन्सर्ड प्रोजेक्ट पर काम किया जिससे 50 करोड़ 29 लाख रुपए की आय हुई।

हर साल मिल रहे पेटेंट

पेटेंट फाइलिंग की संख्या के साथ ही पेटेंट हासिल करने में भी आईआईटी साल दर साल नए रिकॉर्ड बना रहा है। सत्र 2024-25 में पेटेंट फाइलिंग में 112% की वृद्धि हुई। पिछले साल से 33 पेटेंट दर्ज हुए थे, वहीं इस सत्र में यह संख्या बढ़कर 70 हो गई। अब तक कुल पेटेंट फाइलिंग संख्या अब 215 हो गई है, जिनमें से 102 स्वीकृत हो चुके हैं। इनमें अमेरिका और चीन में स्वीकृत चार इंटरनेशनल पेटेंट भी शामिल हैं। साथ ही, दो औद्योगिक डिजाइन और तीन ट्रेडमार्क आवेदन ने संस्थान की आईपी (इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी) को और मजबूत किया है।

स्टार्टअप और इन्क्यूबेशन सेंटर

आईआईटी इंदौर का इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन हब शहर के सफलतम इन्क्यूबेशन सेंटर में एक है। यहां से दर्जनों स्टार्टअप को मदद मिली। स्टूडेंट्स न सिर्फ रिसर्च बल्कि उसे मार्केट तक पहुंचाने में भी सफल हो रहे हैं।

1 करोड़ तक का पैकेज

मंदी के बावजूद आईआईटी का प्लेसमेंट लगातार बेहतर रहा है। पिछले सत्र में औसत पैकेज 25 लाख रुपए रहा, वहीं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने 1 करोड़ रुपए से अधिक के पैकेज ऑफर किए। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल और आईबीएम जैसी दिग्गज कंपनियां यहां से टैलेंट चुन रही हैं।